हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 90 देहरादून, शनिवार, 24 सितंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

भूस्खलन से नीचे आ गिरा पूरा 'पहाड़', लोगों ने भागकर बचाई जान 3

राज्य में कुछ बेहतर वैलनेस सेंटर विकसित किये जाएं : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 24 सितंबर, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में आयुष एवं आयुष शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि राज्य में कुछ बेहतर वैलनेस सेंटर विकसित किये जाएं। आयुष टूरिज्म को बढ़ावा दिया जाए।

उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की भूमि आयुष की भूमि है। राज्य में आयुष को बढ़ावा देने के साथ ही इसका व्यापक स्तर पर प्रचार भी किया जाए। आयुर्वेद एवं आयुष हमारी प्राचीन चिकित्सा पद्धतियां हैं, इनको बढ़ावा देना जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा की 2025 तक उत्तराखंड को नशा मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें आयुष विभाग आयुष चिकित्सा के माध्यम से क्या सहयोग कर सकता है, इसकी विस्तृत योजना बनाई जाए। मुख्यमंत्री ने आयुष विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि टेली मेडिसिन पोर्टल ई-संजीवनी के माध्यम से जन सामान्य को आयुष चिकित्सा परामर्श देने की व्यवस्था जल्द शुरू की जाए। आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत जो आयुष हैल्थ एवं वेलनेस सेंटर बनाए जा रहे हैं, उनमें सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। अटल आयुष्मान उत्तराखण्ड योजना के तहत आयुष चिकित्सालय ईलाज कराने वाले गोल्डन कार्ड धारकों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति की व्यवस्था हो इसके लिए प्रस्ताव बनाया जाए। सचिव डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय ने कहा कि राज्य में 11 आयुष वेलनेस सेंटर के माध्यम से प्रतिदिन योगाभ्यास कराया जा रहा है। स्कूल स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत स्कूली छात्र-छात्राओं का परीक्षण कर हौम्योपैथिक चिकित्सा का उपचार हेतु समय-समय पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता है।

हल्द्वानी में 50 बैड के चिकित्सालय भवन का निर्माण किया गया है। बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, एस.एन. पाण्डेय, आयुष एवं आयुष शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

रिसोर्ट में वेश्यावृत्ति से इनकार करने पर अंकिता की हत्या, कलंकित हुई देवभूमि

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 24 सितंबर , उत्तराखंड के ऋषिकेश जिला के वनन्तरा रिजॉर्ट से गायब हुई रिसेप्शनिस्ट के मामले में पुलिस ने भाजपा के पूर्व राज्य मंत्री विनोद आर्या के बेटे पुलकित आर्या समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। आरोपियों ने बताया कि रिसेप्शनिस्ट रिजॉर्ट में आने वाले कस्टमर के पास जाने से मना कर रही थी। वे लोग रिसेप्शनिस्ट को वेश्यावृत्ति में ढकेलना चाह रहे थे, लेकिन रिसेप्शनिस्ट इससे इन्कार कर रही थी, इसलिए उन लोगों ने उसकी हत्या कर चीला शक्ति नहर में फेंक दिया था। पुलिस रिसेप्शनिस्ट की तलाश कर रही है।यमकेश्वर ब्लॉक स्थित गंगा भोगपुर के वनंत्रा रिजॉर्ट में कार्य करने वाली अंकिता भंडारी (19) के गायब होने के मामले में लक्ष्मणझूला पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मामले का खुलासा कर दिया है. पुलिस ने अंकिता की हत्या किये जाने की पुष्टि कर दी है. श्रीनगर सीओ श्याम दत्त नौटियाल के अनुसार, पुलिस ने रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य, मैनेजर अंकित सहित तीन लोगों को अरेस्ट कर लिया है. हिरासत में लिए तीनों आरोपियों ने कई राज उगले हैं. फिलहाल अभी तक अंकिता का शव बरामद नहीं हुआ है.युवती ने 28 अगस्त को ही गंगाभोगपुर स्थित रिजॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट पद पर ज्वाइनिंग की थी. ज्वाइन किए हुए एक महीने का वक्त भी नहीं बीता था कि वो 18 सितंबर को रिसॉर्ट से ही रहस्यमय तरीके से लापता हो गई. जिसके बाद परिजनों ने राजस्व पुलिस में इस मामले की गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी. परिजन का आरोप है कि उनकी बेटी के लापता होने में रिजॉर्ट के मालिक, मैनेजर और वहां के कर्मचारियों का हाथ है. क्योंकि रिसार्ट में लगे सीसीटीवी कैमरों से भी तोड़फोड़ की गई है.पूर्व राज्य मंत्री विनोद आर्य का बेटा है पुलकित आर्यः वनंत्रा रिजॉर्ट का मालिका पुलकित आर्य पूर्व राज्य मंत्री भाजपा विनोद आर्य का बेटा है. यह पुलकित आर्य लॉकडाउन में भी विवादों में आया था. जब उत्तर प्रदेश के विवादित नेता अमरमणि त्रिपाठी के साथ उत्तरकाशी में प्रतिबंधित क्षेत्र में पहुंच गया था. अमरमणि त्रिपाठी पर मधुमिता शुक्ला की हत्या का आरोप है. मधुमिता शुक्ला की हत्या के आरोप में अमरमणि त्रिपाठी 14 साल तक जेल में रहा है.यमकेश्वर विधानसभा के कौड़िया गांव स्थित वनन्तरा रिजॉर्ट में कार्यरत रिसेप्शनिस्ट युवती अंकिता भंडारी (19) वर्ष संदिग्ध परिस्थितियों में 18 सितंबर की देर शाम लापता हो गई थी। जिसकी गुमशुदगी का खुलासा शुक्रवार को लक्ष्मण झूला थाने में एडीशनल एसपी शेखर सुयाल ने किया। उन्होंने बताया कि किस तरह वनन्तरा रिजॉर्ट मालिक पुलकित आर्य, मैनेजर सौरभ भास्कर और अंकित ने मिलकर अंकिता भंडारी की हत्या कर उसकी बॉडी को चीला शक्ति नहर में फेंक दिया गया। उन्होंने बताया कि जल्द ही आरोपियों की निशानदेही के आधार पर एसडीआरएफ टीम की मदद से नहर में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर अंकिता भण्डारी की बॉडी की तलाश की जा रही है।

ये 2 बैंक 1 अक्टूबर से वरिष्ठ नागरिक विशेष सावधि जमा योजना समाप्त करेंगे, जाने

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अधिकांश प्रमुख बैंकों ने कोविड-19 महामारी के दौरान वरिष्ठ नागरिकों के लिए वरिष्ठ नागरिकों की सावधि जमा योजनाएँ शुरू कीं। इस कार्यक्रम पर, वृद्ध लोगों को ब्याज दरों के मौजूदा लाभ के अलावा उच्च ब्याज दरें मिलती हैं जो मानक दरों से 50 आधार अंक अधिक हैं।एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीबीआई बैंक, एसबीआई जैसे बैंकों ने विशेष सावधि जमा योजनाएं शुरू की थी, लेकिन हाल ही में एसबीआई ने अपनी एसबीआई 'वेकेयर' वरिष्ठ नागरिकों की सावधि जमा योजना की वैधता अवधि 31 मार्च 2023 तक बढ़ा दी है।हालांकि, एचडीएफसी बैंक और आईडीबीआई बैंक 1 अक्टूबर 2022 से वरिष्ठ नागरिकों के लिए अपनी विशेष सावधि जमा योजनाओं को समाप्त करने जा रहे हैं। आइए अब एचडीएफसी और आईडीबीआई बैंक द्वारा वृद्ध लोगों के लिए विशेष सावधि जमा योजनाओं द्वारा दी जाने वाली ब्याज दरों की जाँच करें।

एचडीएफसी बैंक स्पेशल एफडी 18 अगस्त, 2022 को,

एचडीएफसी बैंक ने पिछली बार ₹2 करोड़ के तहत सावधि जमा पर ब्याज दरों में संशोधन किया था। एचडीएफसी बैंक द्वारा 18 मई, 2020 को ₹सीनियर सिटीजन केयर एफडी₹ पेश किया गया था, और यह 30 सितंबर, 2022 तक सक्रिय है। इस योजना में 5 से 10 साल की परिपक्वता अवधि है, जिसके लिए एचडीएफसी बैंक ब्याज दर की पेशकश करेगा। 6.50%, जो कि 5.75% की मानक दर से 75 आधार अंक अधिक है।एचडीएफसी बैंक ने अपनी वेबसाइट पर कहा है कि ₹वरिष्ठ नागरिकों को 0.25% का अतिरिक्त प्रीमियम (0.50% के मौजूदा प्रीमियम से अधिक) दिया जाएगा, जो 5 (पांच) की अवधि के लिए 5 करोड़ से कम की सावधि जमा बुक करना चाहते हैं।) वर्ष 18 मई'20 से 30 सितंबर'2022 तक शुरू होने वाले विशेष जमा प्रस्ताव के दौरान एक दिन से 10 वर्ष तक।यह विशेष ऑफर उपरोक्त अवधि के दौरान वरिष्ठ नागरिकों द्वारा बुक किए गए नए सावधि जमा के साथ-साथ नवीनीकरण के लिए भी लागू होगा। यह प्रस्ताव अनिवासी भारतीय पर लागू नहीं है।₹₹सीनियर सिटीजन केयर FD₹ की समयपूर्व निकासी के लिए, HDFC बैंक ने अपनी वेबसाइट पर कहा है कि उपरोक्त ऑफ़र (स्वीप इन / आंशिक क्लोजर सहित) में बुक किए गए सावधि जमा को 5 साल या उससे पहले समय से पहले बंद करने के मामले में, ब्याज दर होगी अनुबंधित दर से 1.00% कम या बैंक के पास जमा रहने की अवधि के लिए लागू आधार दर, जो भी कम हो।उपरोक्त प्रस्ताव (स्वीप इन/आंशिक क्लोजर सहित) में बुक किए गए सावधि जमा को 5 वर्षों के बाद समय से पहले बंद करने के मामले में, ब्याज दर अनुबंधित दर से 1.25% कम होगी या जमा की अवधि के लिए लागू आधार दर लागू होगी। बैंक, जो भी कम हो।₹आईडीबीआई बैंक विशेष एफडी निजी क्षेत्र के ऋणदाता आईडीबीआई बैंक ने 20 अप्रैल, 2022 को वरिष्ठ नागरिकों के लिए अपना ₹आईडीबीआई नमन वरिष्ठ नागरिक जमा₹ विशेष सावधि जमा कार्यक्रम पेश किया। इस विशेष सावधि जमा योजना की परिपक्वता एक वर्ष से अधिक से लेकर दस वर्ष तक है, और इसकी वैधता अवधि 20 अप्रैल 2022 से 30 सितंबर 2022 तक है।जो निवासी वरिष्ठ नागरिक हैं, उन्हें इस विशेष सावधि जमा योजना पर मौजूदा अतिरिक्त 0.50% प्रति वर्ष की दर से अधिक 0.25% की अतिरिक्त ब्याज दर मिलेगी, जिससे कार्ड दर पर कुल 0.75% का अतिरिक्त लाभ होगा। कार्यक्रम की वैध अवधि के दौरान नए खातों के साथ-साथ नवीनीकृत जमा पर अतिरिक्त दर की पेशकश की जाएगी।

प्रदेशभर के रिसॉर्ट की होगी जांच, सीएम धामी का सख्त निर्देश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड के समस्त रिज़ार्ट की जाँच करने के निर्देश ज़िलाधिकारियों को दिए हैं।साथ ही साथ जो रिज़ार्ट अवैध बने हैं या अवैधानिक रूप से संचालित हैं उनके विरुद्ध तत्काल आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।प्रदेश भर में स्थित होटल/रिज़ार्ट/गेस्ट हाउस आदि में कार्य करने वाले कर्मचारियों से भी उनकी स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की जाए।शिकायतों को गम्भीरता से लिया जाए।

प्रदेश के प्रथम डीजीपी को पुलिस मुख्यालय में दी गई श्रद्धांजलि

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 24 सितम्बरउत्तराखण्ड के पहले पुलिस महानिदेशक अशोक कांत शरण के निधन पर पुलिस मुख्यालय उत्तराखण्ड, देहरादून में उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कर उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी तथा उनके परिजनों के प्रति शोक संवेदना प्रकट करते हुए उत्तराखण्ड पुलिस में उनके द्वारा दिये गये अभूतपूर्व योगदान को याद किया गया। बता दें कि गुरूवार को दिल्ली स्थित आवास में उनका निधन हो गया। अशोक कुमार, पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड ने बताया कि अशोक कांत शरण वर्ष 1965 बैच के आईपीएस अधिकारी थे। वह उत्तराखण्ड प्रदेश के प्रथम व संस्थापक पुलिस महानिदेशक (09 नवम्बर 2000 से 30 अप्रैल 2002 तक) रहे। स्व. अशोक कांत शरण ने उत्तराखण्ड पुलिस की मज़बूत नींव रखी। उन्होंने अपनी दूरदर्शिता से उत्तराखण्ड पुलिस का बुनियादी ढांचा विकसित कर पुलिस बल के विस्तार एवं

सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होने अपने कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन से उत्तराखण्ड पुलिस की छवि को बेहतर बनाते हुए पुलिस कर्मियों के मनोबल को ऊंचा रखने के लिए अभूतपूर्व योगदान दिया।इस अवसर पर ए बी लाल व आर एस मीणा- सेवानिवृत्त महानिदेशक, अपर पुलिस महानिदेशक, पीएसी/सीआईडी- पीवीके प्रसाद, अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशासन- अभिनव कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था- वी मुरूगेशन, पुलिस महानिरीक्षक, अभिसूचना एवं सुरक्षा- ए पी अंशुमान, पुलिस महानिरीक्षक, प्रशिक्षण- पूरन सिंह रावत, सहित सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

14 अक्टूबर को प्रदेश भर में मनाया जाएगा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून ,24 सितंबर, बच्चों और किशोर-किशोरियों में कृमि संक्रमण के खतरे से निपटने के लिए उत्तराखण्ड में 14 अक्टूबर को स्कूल एवं आंगनवाडी केन्द्रों में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस सन्दर्भ में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तराखंड के सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गयी जिसमें आगामी कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने हेतु आवश्यक निर्णय लिए गए। भारत सरकार के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृमी के संक्रमण, बचाव एवं उपचार के बारे में लोगों को जागरूक करना। किशोर-किशोरियों में कृमि संक्रमण से जुड़े जन स्वास्थ्य समस्या से बचाव के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा 14 अक्टूबर 2022 को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का आयोजन किया जा रहा है। अनुपस्थिति या बीमारी के कारण जिन बच्चों को 14 अक्टूबर को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर कृमि नियंत्रण की दवाई नहीं खिलाई जा सकी उन्हें 17 अक्टूबर को मॉप-अप दिवस पर कृमि मुक्त किया जायेगा।डॉ नैथानी ने बताया कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का आयोजन भारत एवं उत्तराखण्ड सरकार द्वारा वर्ष में दो बार कृमि संक्रमण और उस से सम्बंधित रोगों की रोकथाम के लिए किया जाता है। इस कार्यक्रम में 1-19 वर्ष के सभी बच्चों और किशोरों को सभी शिक्षण संस्थानों, स्कूलों, कॉलेजों, तकनीकी संस्थानों और आंगनवाडी केन्द्रों के माध्यम से डिवर्मिंग दवा एल्बेंडाजॉल खिला कर कृमि मुक्त किया जाता है।आपको बता दें कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, स्कूल शिक्षा मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सहयोग से आयोजित एक अखिल भारतीय जन स्वास्थ्य कार्यक्रम है।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उत्तराखण्ड और एविडेंस एक्शन के तकनीकी सहयोग से आयोजित किया जाता है। इस दिवस को मनाने एवं कृमी मुक्ति विषय के जनजागरूकता अभियान को घर घर पहुंचाने के लिए हितधाराकों के प्रतिनिधियों जैसे पंचायती राज, एजुकेशन, टेक्निकल एजुकेशन, स्काउट्स एंड गाइड्स, उत्तराखंड मदरसा बोर्ड, नगर निगम, नेहरू युवा केंद्र, WCD, एविडेंस एक्शन, आदि के प्रतिनिधियों ने इस बैठक में प्रतिभाग किया।

बेहतरीन रिजल्ट के लिए पुलिस अधिकारियों की लगी पाठशाला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून दिनांक 24 सितंबर, माननीय उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देहरादून द्वारा पुलिस लाइन देहरादून में₹Early Access to Justice at Pre-arrest Arrest And at Remad Stage ₹ विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम / कार्यशाला का आयोजन किया गया।जागरुकता कार्यक्रम / कार्यशाला में सीनियर सिविल जज / सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देहरादून हर्ष यादव,द्वारा ₹Early Access to Justice at Pre-Arrest Arrest And At Remad Stage ₹ विषय पर जनपद देहरादून के विवेचना से सम्बद्ध पुलिस अधिकारीगण को जानकारी दी गई। सीनियर सिविल जज / सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, देहरादून द्वारा उक्त जागरूकता कार्यक्रम में भारत का संविधान, दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 भारतीय साक्ष्य अधिनियम आदि के प्रक्रियागत एवं

अभियुक्त के अधिकारो से सम्बन्धित प्रावधानों के सम्बन्ध में भी उपस्थित अधिकारियों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय मोटरयान पांचवां संशोधन नियम 2022. उत्तराखण्ड अन्वेषण प्रक्रिया नियमावली आदि के प्रावधानों के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। उपस्थित पुलिस अधिकारियों द्वारा अन्वेषण की प्रक्रिया के सम्बन्ध में पूछे गये प्रश्नों के उत्तर भी दिये गये। जागरूकता कार्यक्रम / कार्यशाला में उपस्थित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, देहरादून दलीप सिंह कुंवर ने उपस्थित पुलिस अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए पुलिस अधिकारियों को समयबद्ध रूप से प्रत्येक मामले का अन्वेषण करने एवं इस कार्यशाला में दी गई जानकारी को भी अपनी दैनिक कार्यप्रणाली में सम्मिलित करने के निर्देश दिये । कार्यशाला में लगभग 50 पुलिस अधिकारीगण द्वारा प्रतिभाग किया गया।

भूस्खलन से नीचे आ गिरा पूरा 'पहाड़', लोगों ने भागकर बचाई जान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पिथौरागढ़। चीन सीमा को जोड़ने वाली तवाघाट-लिपुलेख सड़क पर शुक्रवार दोपहर बाद लखनपुर और नजंग के बीच पहाड़ी दरकने से भूस्खलन हुआ है। इस कारण सड़क यातायात के लिए फिर बंद हो गई है और चीन सीमा के निकटवर्ती गांवों का शेष जगत से संपर्क कट गया है।

चीन सीमा को जोड़ने वाली यह सड़क पिछले दिनों मलघाट में भूस्खलन के कारण बंद हो गई थी। 12 दिन बाद बुधवार देर शाम इस सड़क पर यातायात सुचारु हो सका था। दो दिन बाद शुक्रवार दोपहर बाद चार बजे लखनपुर और नजंग के बीच तम्पा मंदिर के पास अचानक पहाड़ी दरक गई।

पहाड़ी जैसे ही खिसकी पूरा क्षेत्र धूल के गुबार से भर गया और सड़क फिर बंद हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने भागकर जान बचाई। सड़क बंद होने से व्यास घाटी के सात गांवों का संपर्क कट गया है।

प्राइवेट टूर ऑपरेटर के माध्यम से आदि कैलाश यात्रा पर गए 50 यात्री बुंदी में फंस गए हैं। इस सड़क के एक बार फिर बंद होने से सीमांत के लोगों के साथ ही सीमा चौकियों में तैनात जवानों और पर्यटकों को मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। सड़क के जल्दी खुलने की संभावना नहीं है। बीआरओ शनिवार से चट्टानें हटाने का काम शुरू करेगा।

उधर, मौसम विभाग ने बागेश्वर, पिथौरागढ़, नैनीताल में अगले 24 घंटे में भारी बारिश का येलो अलर्ट भी जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, इन जिलों में जहां कहीं भारी बारिश की आशंका है, वहीं कुछ इलाकों में तेज गर्जना के साथ बौछारें पड़ने और बिजली गिरने की भी संभावना है।

इन जिलों में भारी बारिश की संभावनाओं को देखते हुए जिला प्रशासन व आपदा प्रबंधन से जुड़े अफसरों को सतर्क रहने के निर्देश जारी किए गए हैं। दून के कई इलाकों में बादल छाए रहेंगे। दोपहर बाद कुछ इलाकों में हल्की से लेकर मध्यम बारिश की संभावना है।

जाँच रिपोर्ट का स्वागत और विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूड़ी भूषण को बधाई : पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री

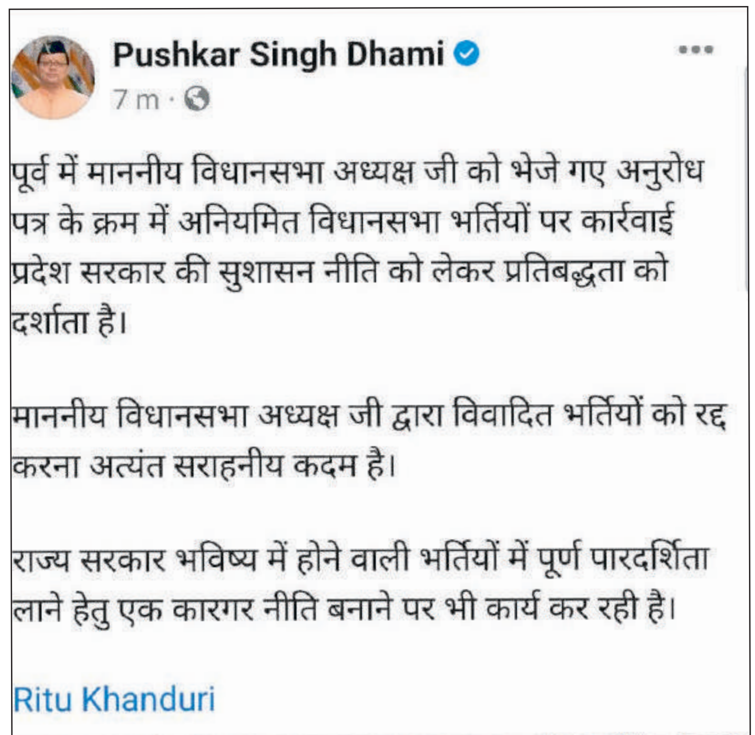

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 24 सितंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा में हुई भर्तियों के मामले में उच्च स्तरीय समिति की संस्तुति पर विधानसभा अध्यक्ष द्वारा वर्ष 2016 से 2021 तक हुई तदर्थ भर्तियों को निरस्त करने के निर्णय का स्वागत किया है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूड़ी भूषण को त्वरित जांच कर निर्णय लिये जाने पर बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान में सदन और सरकार एकजुट है। गौरतलब है कि विधानसभा भर्ती मामले में मुख्यमंत्री ने सरकार का रुख स्पष्ट करते हुए विधानसभा अध्यक्ष से भर्तियों की जांच करने का आग्रह किया था। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सरकार की मंशा के अनुसार इस पर उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर समयबद्ध तरीके से जांचके निर्देश दिए। जाँच रिपोर्ट में समिति ने संस्तुति की है कि 2016 में 150, वर्ष 2020 में 6 व वर्ष 2021 में 72 तदर्थ भर्तियों को निरस्त किया जाए। उत्तराखंड को भ्रष्टाचार मुक्त राज्य बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार लगातार काम कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार सुशासन की दिशा में कृत संकल्पित होकर काम कर रही है। किसी भी प्रकार से कोई भ्रष्टाचार सहन नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने अधिनस्थ सेवा चयन आयोग व अन्य भर्तियों में अनियमितता पाए जाने पर उन्हें पारदर्शिता से आयोजित करने के लिए उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग को हस्तांतरित की। अब नए सिरे से पारदर्शिता के साथ परीक्षा प्रक्रिया गतिमान है। उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग ने प्रथम चरण की परिक्षाओ की तिथियों का कैलेण्डर भी जारी कर दिया है।

भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ अभियान में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित अलग-अलग विभागों में समूह ग भर्ती परीक्षा में गड़बड़ियों की शिकायत मिलते ही कठोर निर्णय लिए। अधीनस्थ सेवा चयन आयोग भर्ती परीक्षा में पेपर लीक मामले में संलिप्त 41 आरोपियों की अब तक गिरफ्तारी हो चुकी है वहीं 18 अभियुक्तों पर चार्जशीट हो चुकी है जबकि गैंगस्टर एक्ट हेतु 21 आरोपियों की जुडिशल रिमांड स्वीकृत हो चुकी है। वहीं ओर वन दरोगा मामले में 03 सचिवालय रक्षक भर्ती में एक आरोपी की गिरफ़्तारी हो चुकी है।मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रदेश के युवाओं के साथ कोई अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने युवाओं से पूरे उत्साह और परिश्रम से परिक्षाओ की तैयारी में जुट जाने का अनुरोध किया। वर्तमान में 7000 परिक्षाओ की भर्ती प्रक्रिया गतिमान है। इसके अलावा 12 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की कार्ययोजना पर भी काम कर रहे हैं।

उत्तराखंड में शुरू होने वाला है खेल का महाकुंभ, जाने अधिक जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के खिलाड़ियों के लिए खुशखबरी प्रदेश में दो अक्टूबर से शुरू होने वाला है खेल महाकुंभ। खेल महाकुंभ 25 जनवरी 2023 तक चलेगा। इसका आयोजन चार स्तर पर किया जाएगा, जिनमें न्याय पंचायत, विकासखंड, जिला और राज्य शामिल हैं। खेल मंत्री रेखा आर्य ने बताया कि खेल महाकुंभ में विभिन्न आयु वर्गों में प्रतियोगिताएं होंगी। दो अक्टूबर से शुरू होकर 25 जनवरी 2023 तक चलने वाली प्रतियोगिताओं में 8 से 14 वर्ष, 14 से 17 वर्ष और 17 से 21 आयु वर्ग में कोई भी खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकता है। प्रतियोगिता में पंजीकरण मुफ्त रखा गया है। पंजीकरण ग्राम पंचायतों, प्राथमिक विद्यालयों, जूनियर हाईस्कूल, माध्यमिक विद्यालय, इंटर कॉलेज, युवा कल्याण, खेल एवं शिक्षा विभाग के कार्यालयों में कराया जा सकता है।खेल महाकुंभ 2022 के तहत पारंपरिक खेल, मुर्गा झपट, अड्डू, गुल्ली-डंडा, रस्सी कैसी आदि को भी शामिल किया गया है। न्याय पंचायत स्तर पर कबड्डी, खो-खो, बालीवाल, एथलेटिक्स खेलों को 14 व 17 वर्ष से कम आयु वर्ग में रखा गया है। ब्लॉक स्तर पर कबड्डी, खो-खो, बालीवॉल, एथलेटिक्स, बैडमिंटन और लड़कों के फुटबॉल को अंडर 14, 17 और 21 आयु वर्ग में रखा गया है। जबकि जिला स्तर पर कबड्डी, खो-खो, बालीवॉल, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, फुटबॉल, जूडो,

बॉक्सिंग, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, हैंडबॉल, बास्केटबॉल और कराटे को जिला स्तर पर समान आयु वर्ग में रखा गया है. राज्य स्तर पर कबड्डी, खो-खो, बालीवॉल, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, फुटबॉल, जूडो, बॉक्सिंग, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, हैंडबॉल, बास्केटबॉल, कराटे और हॉकी को बालक वर्ग में रखा गया है।

बारिश की चेतावनी : आने वाले दो दिनों में उत्तराखंड में काले मेघ जमकर बरसेंगे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में अगले दो दिनों तक भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक आरके जेनामणि ने बताया कि 24 से 26 सितंबर तक अत्यधिक भारी बारिश को लेकर उत्तराखंड के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। कल पश्चिमी यूपी में बारिश बढ़ने की संभावना है।बारिश के कारण चारधाम यात्रा मार्ग पर भी भूस्खलन के कारण बार-बार आवाजाही बाधित हो रही है। जिससे हजारों श्रद्धालु जगह-जगह फंसे हुए हैं। गुरुवार को केदारनाथ समेत आसपास की चोटियों में हिमपात से घाटी का तापमान गिर गया है।आप सब से निवेदन है पहाड़ो में जाने से रुके भूस्खलन के कारण फास सकते है लम्बे जाम में ।

उत्तराखंड की ऐसी रामलीला जिसकी गूंज यूनेस्को तक

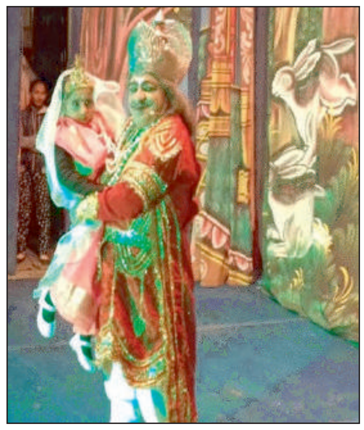

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड की एक ऐसी रामलीला भी है, जिसकी शान देश की सीमाओं से हजारों मील दूर यूनेस्को तक है। उत्तराखंड में 125 साल से आयोजित हो रही यह रामलीला यूनेस्को की धरोहर है। हम बात कर रहे हैं पौड़ी की रामलीला की, जिसे यूनेस्को ने भी संरक्षित किया है। इस रामलीला की खास बात यह है कि यहां महिलाएं पुरुषों की जगह महिलाओं की भूमिका निभा रही हैं। आइए जानते हैं पौड़ी मंडल मुख्यालय में आयोजित होने वाली इस विशेष रामलीला के बारे में। पौड़ी की ऐतिहासिक रामलीला कई मायनों में अपनी अलग पहचान रखती है। रामलीला की शुरुआत 1897 में कंडाई गांव से हुई थी। फिर गांव में ही रामलीला का मंचन किया गया।

स्थानीय लोगों के प्रयास से पौड़ी शहर में रामलीला का मंचन शुरू किया गया. उत्तराखंड में 125 साल से आयोजित हो रही यह रामलीला यूनेस्को की धरोहर है। पौड़ी में होने वाली इस रामलीला का राज्य में शीर्ष स्थान है। पौड़ी के स्थानीय लोगों के प्रयास से पहली बार 1897 में कंडाई गांव में रामलीला का आयोजन किया गया था ।शुरुआती दौर में रात भर चीला जलाकर रामलीला का मंचन किया जाता था। 1930 के दशक में इसका मंचन लालटेन की रोशनी में और 1960 से बिजली के बल्बों की मदद से किया जाता था। इस तरह पौड़ी की रामलीला में कई उतार-चढ़ाव आए, लेकिन यह सिलसिला लगातार जारी है. अब इस रामलीला में आधुनिक प्रकाश व्यवस्था का प्रयोग किया जाता है ।अगर आप उत्तराखंड के रहने वाले हैं और आपके पास कुछ समय है तो यहां जाएं और रामलीला देखें।

हरिद्वार का कनखल इलाका बना डेंगू का हॉट स्पॉट, महिला की मौत से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार। जनपद में डेंगू से कनखल निवासी एक महिला की मौत हुई है। डेंगू से जिले में यह पहली मौत है। डेंगू के 17 नए मरीज भी मिले हैं। इससे स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा है। जिले में डेंगू मरीजों की संख्या बढ़कर 141 पहुंच गई है।

हरिद्वार का कनखल इलाका डेंगू का हॉट स्पॉट बना है। स्थानीय लोगों की लगातार मांग के बाद भी वार्ड में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव नहीं हो रहा है। बृहस्पतिवार रात कनखल क्षेत्र के संदेशनगर कॉलोनी निवासी शिव देवी (60) पत्नी डॉ. दयाशंकर दीक्षित की डेंगू से मौत हो गई। डॉ. दीक्षित ने बताया कि उनकी पत्नी शिव देवी की डेंगू से 18 सितंबर को तबीयत बिगड़ी।

उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। हालत बिगड़ने पर 19 सितंबर को देहरादून के अस्पताल में रेफर कर दिया गया। बृहस्पतिवार रात को उनका निधन हो गया। डॉ. दयाशंकर दीक्षित आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज सहसपुर देहरादून में प्रोफेसर हैं।

जिला मलेरिया अधिकारी गुरनाम सिंह ने बताया कि उनके पास डेंगू से हुई मौत की कोई रिपोर्ट नहीं आई है। रिपोर्ट आने के बाद ही महिला की मौत की पुष्टि होगी। वहीं 17 डेंगू के नए मरीज मिले हैं। इनकी एलाइजा रिपोर्ट पॉजिटिव आ गई है। जिले में डेंगू मरीजों की संख्या भी बढ़कर 141 पहुंच गई है।

कनखल क्षेत्र की संदेशनगर कॉलोनी में नगर निगम की ओर से अभी तक कीटनाशक दवाओं का छिड़काव नहीं किया गया है। संदेशनगर कॉलोनी के (वार्ड नंबर 26) पार्षद शुभम मैंदोला ने बताया कि नगर निगम के अधिकारियों को कई बार लिखित और मौखिक रूप से बताया गया है लेकिन निगम की ओर से कोई कार्यवाही नहीं की गई। कॉलोनी में कई मरीज डेंगू के मिल चुके हैं।

पति-पत्नी के कोर्ट में सुलह होने पर ससुराल वालों ने की बहू की पिटाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दहेज प्रताड़ना के मामले से बचने के लिए पति ने पत्नी को कोर्ट केस न करने के लिए राजी किया, लेकिन शायद उसके परिवार वालों को यह इस्तीफा पसंद नहीं आया। बेटे के इस फैसले से नाराज घरवालों ने अपनी ही बहू के साथ बीच सड़क कर दी मारपीट। जिसके बाद मारपीट से नाराज बहू ने कोतवाली ज्वालापुर में आरोपित ससुराल वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया। पूरा मामला बताएं तो कोर्ट में सुलह होने के बाद पति के साथ घर लौट रही विवाहिता के साथ ससुरालियों ने मारपीट कर दी। पुलिस के मुताबिक, सुनीता निवासी साउथ प्रीत विहार रुड़की ने शिकायत देकर बताया कि 23 नवंबर 2016 को उसकी शादी उदय कुमार निवासी न्यू सुभाष नगर ज्वालापुर हरिद्वार के साथ हुई थी. शादी के कुछ दिन बाद उनके बीच विवाद हो गया था. पीड़िता ने दो बार कोतवाली ज्वालापुर में शिकायत भी दर्ज कराई. जिसके बाद पुलिस ने उसके पति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया. सुनीता का कहना है कि मुकदमे से बचने के लिए उदय ने हरिद्वार परिवार न्यायालय में वाद दायर कर रखा था। 17 सितंबर को पति उदय कोर्ट की बात मानकर सुनीता को अपने साथ न्यू सुभाष नगर स्थित अपने घर ले जा रहा था। आरोप है कि उदय की बहन सुमन, मां ओमवती, पिता प्रेमपाल सिंह ने उसे घर से कुछ दूरी पर रास्ते में रोक लिया. मारपीट करते हुए 20 लाख रुपये दहेज की भी मांग की। इस दौरान उदय अपने माता-पिता के साथ भी शामिल हुआ। पीड़िता ने कोतवाली ज्वालापुर पहुंचकर पुलिस से शिकायत की। ज्वालापुर कोतवाल आरके सकलानी ने बताया कि जांच के बाद मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

दरोगाओं के खिलाफ विजिलेंस करेगी मुकदमा, शासन ने दी अनुमति

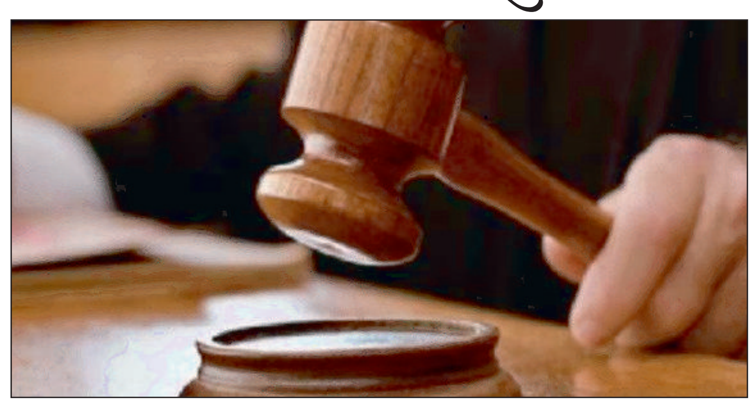

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दरोगा भर्ती धांधली में विजिलेंस अब दरोगाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज करेगी। शुक्रवार को शासन ने मुकदमा दर्ज करने की अनुमति दे दी है। अब जल्द ही धांधली कर पास होने वाले दरोगाओं की गिरफ्तारी भी हो सकती है। वर्ष 2015 में हुई इस भर्ती में करीब 10 फीसदी दरोगा ओएमआर शीट में गड़बड़ी कराकर पास हुए थे। प्राथमिक पड़ताल के बाद एसटीएफ भी ऐसे कई दरोगाओं के नामों की सूची विजिलेंस को सौंप चुकी है।

2015 में 349 दरोगाओं की सीधी भर्ती हुई थी। शुरुआत में ही इसमें धांधली की बात उठी, लेकिन कालांतर में सब दब कर रह गई। दरोगाओं को चौकी-थानों के चार्ज भी मिलने लगे। इस बीच एसटीएफ ने जब स्नातक स्तरीय भर्ती परीक्षा की जांच शुरू की तो इस भर्ती में भी धांधली की बात पुष्ट हो गई। मामले में डीजीपी ने विजिलेंस जांच की सिफारिश की। जरूरी कार्रवाई के बाद शासन ने जांच विजिलेंस के हवाले कर दी। इधर, शुरुआती दौर में ही एसटीएफ ने 15 दरोगाओं की सूची विजिलेंस को सौंप दी थी।

विजिलेंस ने प्राथमिक पड़ताल की और निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई। निदेशक विजिलेंस अमित सिन्हा ने बताया कि उन्होंने शासन से मुदकमा दर्ज करने की अनुमति मांगी थी। इस मामले में शुक्रवार को बैठक हुई, जिसमें विजिलेंस को मुकदमा दर्ज करने की अनुमति मिल गई है। विजिलेंस को इस मामले में पर्याप्त साक्ष्य मिल चुके हैं। शनिवार (आज) को मुकदमा दर्ज करने के बाद गिरफ्तारियां भी शुरू की जाएंगी। फिलहाल, विजिलेंस अगली कार्रवाई के लिए पुलिस मुख्यालय से भी संपर्क बनाए हुए है।

आयोग और पंतनगर विवि के कर्मचारी भी फंसेंगे

आयोग की ओर से 2015 में दरोगा भर्ती पंतनगर विवि ने कराई थी। इस परीक्षा के प्रश्नपत्र भी विवि ने ही छपवाए थे। परीक्षा में धांधली ओएमआर शीटों में गड़बड़ी कर हुई थी। अभ्यर्थियों से पैसे लेकर उन्हें मनचाहे नंबर दिए गए थे। इन शीटों पर प्रश्नों के सामने सही उत्तर के गोलों को काला किया गया था। जानकारों की माने तो ऐसा बिना आयोग के अधिकारियों और परीक्षा आयोजक संस्था के कर्मचारियों की मिलीभगत के नहीं हो सकता है। ऐसे में विजिलेंस मुकदमे में इन कर्मचारियों और अधिकारियों को भी मुल्जिम बनाएगी।

शासन से रोक के बाद भी नैनीताल जिले में हुए 18 स्कूलों के 45 शिक्षकों के तबादले रद्द

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

शासन से रोक के बाद भी नैनीताल जिले में उच्चीकृत जूनियर हाईस्कूलों से जूनियर के शिक्षकों के तबादले कर दिए गए थे। अमर उजाला में खबर प्रकाशित होने के बाद तबादले रद्द कर दिए गए हैं। शासन के उच्चीकृत जूनियर हाईस्कूलों से जूनियर के शिक्षकों को अगले आदेश तक न हटाने के आदेश हैं, इसके बावजूद नैनीताल जिले में 18 स्कूलों के 45 शिक्षकों के तबादले कर दिए गए थे।

जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष रघुवीर सिंह पुंडीर के मुताबिक नैनीताल जिले में विषय समायोजन के नाम पर यह तबादले किए गए थे, जबकि तीन जुलाई 2019 का शासन का आदेश है कि उच्चीकृत जूनियर हाईस्कूलों में कार्यरत जूनियर हाईस्कूलों के शिक्षकों को अगले आदेश तक न हटाया जाए। बेसिक शिक्षा निदेशक वंदना गर्ब्याल ने कहा कि उच्चीकृत जूनियर हाईस्कूलों से शिक्षकों के तबादले नहीं किए जाने थे। इसके बावजूद इन स्कूलों के कुछ शिक्षकों के तबादले किए गए थे। इससे संबंधित आदेश को रद्द कर दिया गया है।

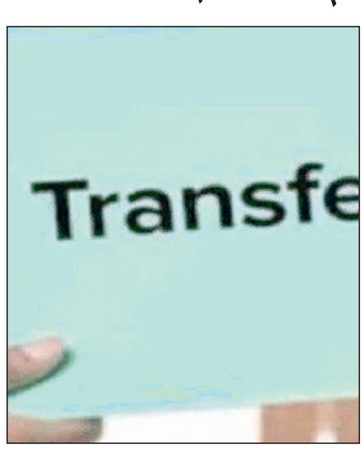

जहाँ-जहां बारिश ने पहुंचाया नुकसान, वहां-वहां भरपाई करने पहुंचे गणेश जोशी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बीती देर रात हुई बारिश के कारण देहरादून के बिलासपुर कांडली सैनिक कॉलोनी में तीन-चार घर ढहने से खतरे में हैं। वहीं कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने शुक्रवार को बिलासपुर कांडली सैनिक कॉलोनी घंगोड़ा बीरपुर पहुंचे। जहां गणेश जोशी अधिकारियों के साथ बारिश से क्षति का स्थलीय निरीक्षण किया। मौका मुआयना कर मंत्री जोशी ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं मौके पर पहुंचे कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी को स्थानीय लोगों द्वारा बताया गया कि बरसात के पानी की निकासी न होने के कारण लोगों के घरों में पानी घुस रहा है जिससे लोगों को काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। मंत्री ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क के दोनों तरफ नालियां बनाई जाए, जिससे निकट भविष्य काल में बरसात के पानी से आमजन को किसी भी प्रकार की समस्या ना हो। मंत्री जोशी ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जिनके मकानों में दरारें पड़ी है उन्हे तत्काल आकलन कर अनुमन्य सहायता राशि उपलब्ध कराया जाए। इसके अलावा मंत्री जोशी ने बिलासपुर कांडली सैनिक कॉलोनी में बने पुल का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को पुल की मरम्मत के भी निर्देश दिए। वहीं मंत्री जोशी ने कहा कि आम जनता की सेवा करना और उनकी समस्याओं का समाधान करना हमारा कर्तव्य है, इस दिशा में सरकार लगातार कार्य कर रही है।इस अवसर पर एडीएम के.के.मिश्रा, तहसीलदार रोहन रांगड, पीडब्ल्यूडी, सिंचाई विभाग के अधिकारी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

जाने योग के फायदे और योग के दौरान सावधानियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

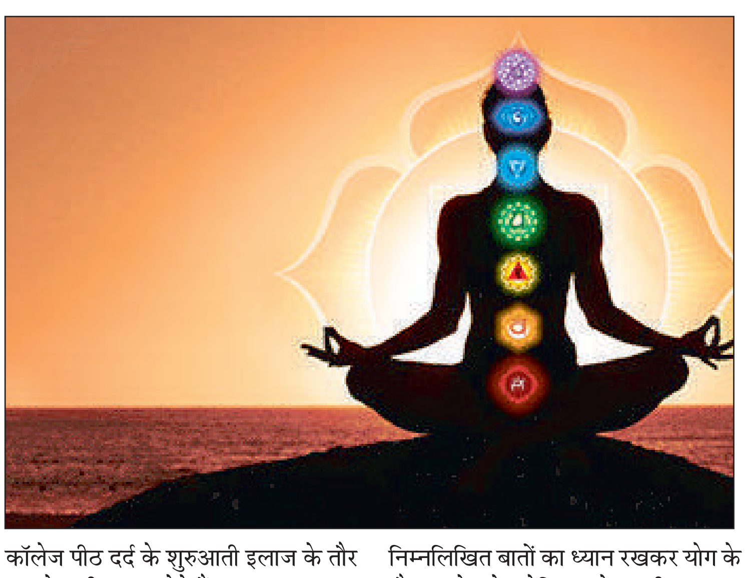

आने वाली पीढ़ी को न तो योग का ज्ञान है और न ही योग करने की उनकी कोई इच्छा है। जैसे धीरे-धीरे योग समाप्त होता दिख रहा है। अगर उनके पास जानकारी भी है तो उन्हें योग करने की विधि और उसके इतिहास के बारे में बिल्कुल भी नहीं पता तो आज की ये खबर टीवी न्यूज वायरस आने वाली पीढ़ी के लिए लिख रहा है ताकि इस खबर से उन्हें योग के बारे में कुछ जानकारी मिल सके। बाकी योग इच्छा करने के बाद ही किया जा सकता है ।योग का सबसे पहला उल्लेख भारत के सबसे पुराने ग्रंथों में से एक ₹ऋग्वेद₹ में मिलता है। प्राचीन संग्रहों के अनुसार, ₹योग₹ शब्द संस्कृत शब्द ₹युज₹ से बना है, जिसका अर्थ है ₹मिलना₹ या ₹जुड़ना₹। योग का जन्म भी लगभग 5000 हजार साल पहले भारत में ही हुआ था और इसकी प्रभावशीलता के कारण यह धीरे-धीरे पूरी दुनिया में फैल गया। आजकल कई नए आसन और योग तकनीकों का निर्माण किया गया है, और पश्चिमी देशों में इसे ₹योग₹ के रूप में जाना जाता है ।योग के परिणामों और प्रभावशीलता की गुणवत्ता पर बहुत शोध किया गया है। इस शोध में से अधिकांश ने योग को शारीरिक गतिविधि, लचीलापन और संतुलन बढ़ाने और ताकत प्रदान करने का एक प्रभावी तरीका पाया है। इसके अलावा, योग रोगियों के लिए बहुत फायदेमंद है जैसे 1) तनाव कम करता है: नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के अनुसार, कुछ वैज्ञानिक प्रमाण मिले हैं जो बताते हैं कि योग मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करता है, अच्छी नींद लेता है और शरीर के वजन को कम करने में मदद करता है, जिसके परिणामस्वरूप शारीरिक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य होता है। तनाव भी कम होता है।2) पीठ और जोड़ों के दर्द से राहत : पीठ के दर्द को कम करने में कई योगासन बहुत फायदेमंद होते हैं। योग न केवल दर्द को कम करने में मदद करता है बल्कि प्रभावित क्षेत्र की गतिशीलता में भी सुधार करता है। अमेरिका में कुछ मेडिकल कॉलेज पीठ दर्द के शुरुआती इलाज के तौर पर योग की सलाह देते हैं।

योग के दौरान सावधानियां

उम्र के साथ शरीर का संतुलन बिगड़ जाता है और मांसपेशियां भी कमजोर हो जाती हैं। ऐसे में योग आदि करते समय विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। कुछ शोधों के अनुसार 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में योग से संबंधित चोट लगने की घटनाएं सबसे ज्यादा होती हैं। हालाँकि, आप निम्नलिखित बातों का ध्यान रखकर योग के दौरान चोट के जोखिम को काफी हद तक कम कर सकते हैं:1) जब तक आप योग मुद्रा नहीं सीख लेते, तब तक इसे स्वयं न करें, क्योंकि इससे मोच या अन्य शारीरिक गतिविधियों की तरह चोट लगने जैसी क्षति भी हो सकती है।2) आमतौर पर मांसपेशियों के उपभेद होते हैं जिनमें अधिकांश घुटनों, टखनों और निचले पैर योग में प्रभावित होते हैं।

फिर हड़कंप में आए चोराबारी ग्लेशियर, 2013 में केदारनाथ में मचाई थी तबाही

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

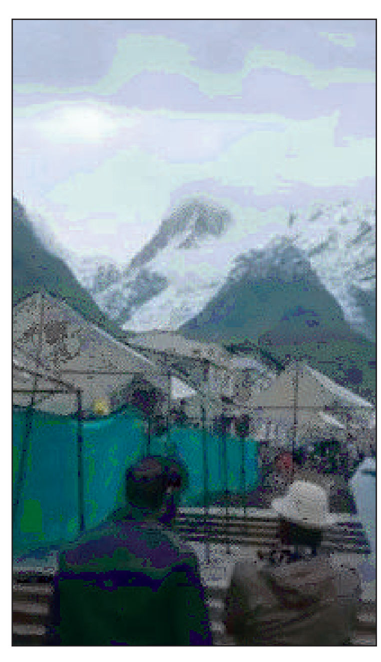

चोराबारी ग्लेशियर जो की 2013 के बाद विश्व प्रसिद्ध हुआ था। उसमें शुक्रवार शाम हड़कंप मचाया हालांकि इससे किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन प्रशासन इस पर नजर बनाए हुए है. केदारनाथ मंदिर से करीब 5 किमी की दूरी पर चोराबारी ग्लेशियर स्थित है।आपको बता दे चोराबारी ग्लेशियर में हिमस्खलन हो रहा था तो वहां मौजूद लोग इसे मामूली घटना मान रहे थे। लेकिन जैसे ही बर्फ के इस पूरे पहाड़ को उतरते देखा गया तो सब समझ गए। केदारनाथ के पीछे एक बार फिर हड़कंप मच गया है। फिलहाल इस पूरे मामले पर प्रशासन की नजर है। प्रशासन यह जानने की कोशिश कर रहा है कि आखिर इतनी बड़ी संख्या में हिमस्खलन कैसे हुआ।इस बार करीब 12 लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए भगवान केदारनाथ पहुंचे हैं। भारी बारिश के बीच भगवान केदारनाथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। विशेष पूजा रात 12 बजे से शुरू होगी। जानकारी के अनुसार अब तक 11 लाख 98 हजार श्रद्धालुओं ने बाबा के द्वार पर पूजा-अर्चना कर पुण्य अर्जित किया है।

संपादकीय

क्रिकेट नियमों में जरूरी बदलाव

पिछले दिनों अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आइसीसी) ने कुछ नये नियमों को स्वीकृति दी है, जिनका अहम असर हो सकता है. इस संबंध में चर्चा से पहले क्रिकेट के मौजूदा माहौल को देखा जाना चाहिए. खेल के रूप में क्रिकेट टेस्ट क्रिकेट से एकदिवसीय फॉर्मेट में आया, जिसमें समय-समय पर नियमों में बदलाव होता रहा है. पहले वह साठ ओवर का होता था, फिर चालीस-पैंतालीस ओवरों के मैच भी हुए और आखिरकार पचास ओवर निर्धारित हुए. एक समय ऐसा भी आया, जब सचिन तेंदुलकर के सुझाव पर अनधिकृत रूप से एकदिवसीय खेल में भी 25-25 ओवर के पारी की व्यवस्था हुई. टी-20 फॉर्मेट आने के बाद कई लोग टेस्ट क्रिकेट को असली फॉर्मेट मानते हुए कहते रहे हैं कि इसके आने के बाद एकदिवसीय क्रिकेट का क्या औचित्य रह गया है. साथ ही, द्विपक्षीय एकदिवसीय खेलों पर भी सवाल उठाये जा रहे हैं. अगर फुटबॉल में देखें, तो राष्ट्रीय टीमें दोस्ताना मैच खेलती हैं या फिर उनका मुकाबला विश्व कप और महादेशीय टूर्नामेंट में होता है. उसके बाद फुटबॉल में लीग कल्चर है, लेकिन क्रिकेट में ऐसी संगठित व्यवस्था नहीं है. टेस्ट मैच और टी-20 के बीच में भी एकदिवसीय मैच खेले जाते हैं. साथ ही, कई तरह के टूर्नामेंट भी होते रहते हैं. भारतीय टीम के पूर्व कोच और अनुभवी खिलाड़ी रहे रवि शास्त्री का स्पष्ट मानना है कि टी-20 लीग के स्तर पर खेला जाना चाहिए तथा अन्य फॉर्मेट में विश्व कप जैसे आयोजन होने चाहिए. द्विपक्षीय मैचों का कोई मतलब नहीं रह गया है. उदाहरण के लिए, कुछ दिन के बाद कितने लोग मोहाली में हुए भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच को याद कर सकेंगे. तीसरी उल्लेखनीय बात यह है कि पिछले समय में क्रिकेट में बदलाव की सबसे बड़ी चुनौती यह रही है कि इस खेल को कैसे दिलचस्प बनाकर रखा जाए. अभी जो नियमों में बदलाव या संशोधन हुए हैं, इनकी मांग लंबे समय से हो रही थी और अंततः आईसीसी को उन्हें मानना पड़ा है. नॉन-स्ट्राइकर एंड पर खड़े बल्लेबाज को गेंद फेंकने से पहले रन आउट करने को 'मांकड़ रन आउट' कहा जाता था, जो सीधे तौर पर एक उत्कृष्ट भारतीय खिलाड़ी के लिए अपमानजनक मामला था. भारतीय खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन ने इस पर सवाल उठाया था कि इस रन आउट को क्यों अनैतिक माना जाता है. अक्सर बल्लेबाज गेंद फेंके जाने से पहले से ही आगे बढ़ कर बढ़त ले लेता है. चेतावनी के बावजूद वह ऐसा करता है और गेंदबाज उसे आउट कर देता है, तब कहा जाता था कि यह खेल भावना व नैतिकता के विरुद्ध है. जब अश्विन ने इस तरह एक खिलाड़ी को आउट किया था, पूरी दुनिया की मीडिया उसके खिलाफ हो गयी थी. इस तरह के आउट को सही बता कर आईसीसी ने अश्विन की बात पर मुहर लगा दी है. हाल के समय में यह समस्या भी बढ़ी है कि निर्धारित समय में पारियां खत्म नहीं हो रही हैं. इसका लाभ कई टीमों को मिलता था. कई बार होता है कि कोई बल्लेबाज अपनी लय में है, पर दूसरी टीम फील्डर बदलने में समय लगाने लगती है. यह सीधे तौर पर बल्लेबाज की लय तोड़ने की कोशिश है. अब नियम यह है कि अगर कोई टीम निर्धारित समय में पारी खत्म नहीं करती है, तो अतिरिक्त समय में उसके एक फील्डर को अंदर कर दिया जाता है.

iPhone 12 की कीमत 65900 से लेकर सिर्फ 28399 तक है ! अमेज़न सेल पर शानदार ऑफर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अमेज़न ने iPhone 12 के बेस 64GB वैरिएंट की कीमत में कटौती की है। इसकी कीमत मूल रूप से रु। 65,900। हालांकि, Amazon ने स्मार्टफोन की कीमत में कटौती की है। 42,999, बचतआप कम से कम रुपये कमा सकते हैं। स्मार्टफोन पर 22901 ! ये है सबसे कम कीमत में iPhone 12 डील ! वह सब कुछ नहीं है। एक्सचेंज ऑफर्स की मदद से आप iPhone 12 की कीमत को और भी कम कर सकते हैं।

अमेज़न पर iPhone 12: एक्सचेंज ऑफर

अमेज़न iPhone 12 पर बड़े पैमाने पर एक्सचेंज बोनस दे रहा है। आप रुपये तक प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप अपने पुराने स्मार्टफोन में ट्रेड-इन करते हैं तो 14,600 की छूट। इससे iPhone 12 की कीमत घटकर सिर्फ रु। 28399 !हालाँकि, छूट आपके पुराने स्मार्टफोन के मॉडल और स्थिति पर निर्भर करती है।

त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2022 सकुशल सम्पन्न करने में जुटे प्रतीक जैन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

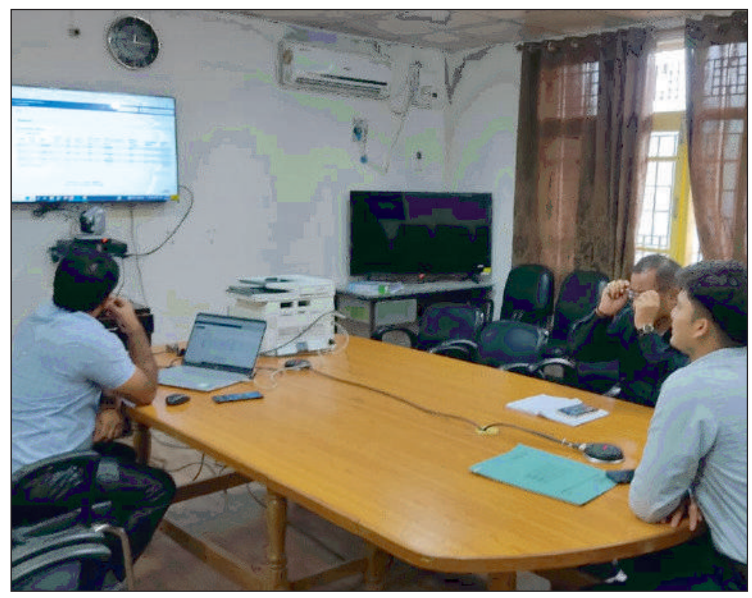

जिलाधिकारी निर्वाचन अधिकारी (पं0) प्रतीक जैन की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट स्थित वीसी कक्ष में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2022 को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के क्रम में मतदान कार्मिकों का तृतीय रेंडमाइजेशन किया गया।इस मौके पर कार्मिकों का तृतीय रेंडमाइजेशन करने के पश्चात सभी तैनात कार्मिकों की सूची का प्रिंट आउट निकाला गया, जिनका अवलोकन उपस्थित अधिकारियों एवं सम्बन्धितों द्वारा किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी(वित्त एवं राजस्व)/नोडल अधिकारी/कार्मिक व्यवस्था/प्रशिक्षण, त्रि-स्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2022 बीर सिंह बुदियाल, मुख्य शिक्षा अधिकारी के0के0 गुप्ता, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी यशपाल सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित थे।

नदियों व नहरों के पानी की सैम्पलिंग करने के निर्देश : युगल किशोर पन्त , जिलाधिकारी , यूएस नगर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर , 24 सितंबर , जिलाधिकारी युगल किशोर पन्त ने कलक्टेªट सभागार में जिला गंगा समिति की बैठक ली। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में बहने वाली नदियों के साथ ही जलाशयों का पानी भी स्वच्छ हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कृषि कार्यों में ऊर्वरक के उपयोग विशेषकर समर पेडी के दौरान मृदा परीक्षण करने के निर्देश कृषि विभाग के अधिकारियों को दिये। जिलाधिकारी ने समय-समय पर नदियों व नहरों के पानी की सैम्पलिंग करने के निर्देश क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी को दिये। उन्होंने जनपद में स्थित जलाशयों की जल सम्भरण क्षमता बढ़ाने के लिए जलाशयों में जमा हो चुकी सिल्ट को हटाने के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश सिंचाई विभाग के अधिकारियों को दिये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि बायोमेडिकल वेस्ट तथा सोलिड वेस्ट निस्तारण की पूरी जानकारी अधिशासी अधिकारियों को हो, इसलिए बायोमेडिकल वेस्ट तथा सोलिड वेस्ट निस्तारण से सम्बन्धित कार्यशाला आयोजित कराने के निर्देश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को दिये। उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वेटनरी की जिनि ईकाईयों को भी बायोमेडिकल वेस्ट से जोड़ा जाये। जिलाधिकारी ने सिंगल यूज प्लास्टिक, स्वच्छता, वाटर रिसाइकिलिंग आदि के प्रति जागरूकता हेतु 1 व 2 अक्टूबर को रैली आयोजित करने के निर्देश शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दिये। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी वैभव कुमार सिंह, परियोजना निदेशक हिमांशु जोशी, अधिशासी अभियंता पेयजल निगम मृदुला सिंह, क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी नरेश गोस्वामी, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ.आशुतोष पन्त, जिला पर्यटन विकास अधिकारी पीके गौतम आदि उपस्थित थे।

जांच समिति की रिपोर्ट के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने रद्द की 250 नियुक्तियां, सचिव को किया सस्पेंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड विधानसभा की अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने विधानसभा में बैकडोर से हुईं 250 भर्तियां रद्द कर दी हैं। इनमें 228 तदर्थ और 22 उपनल के माध्यम से हुईं नियुक्तियां शामिल हैं। वहीं, विधानसभा सचिव मुकेश सिंघल को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड करते हुए उनके खिलाफ जांच बैठा दी गई है।

शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने विधानसभा में प्रेस वार्ता बुलाई। उन्होंने बताया कि विधानसभा में हुईं भर्तियों की जांच के लिए बनी तीन सदस्यीय विशेषज्ञ जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट दे दी है। इस रिपोर्ट की सिफारिश के आधार पर उन्होंने 2016 में हुईं 150 तदर्थ नियुक्तियां, 2020 में हुईं छह तदर्थ नियुक्तियां, 2021 में हुईं 72 तदर्थ नियुक्तियां और उपनल के माध्यम से हुईं 22 नियुक्तियां रद्द कर दी हैं। उन्होंने कहा कि समिति ने अपनी जांच में पाया है कि इन भर्तियों में नियमों का पालन नहीं किया गया। न विज्ञप्ति निकाली और न आवेदन मांगे, अपनाई गई यह प्रक्रिया संविधान के अनुच्छेद-14 और अनुच्छेद-16 का उल्लंघन है।

2016 की जो 150 भर्तियां रद्द की गई हैं, वह कांग्रेस सरकार में विधानसभा अध्यक्ष रहे गोविंद सिंह कुंजवाल के कार्यकाल में हुई थीं। 2020 की छह, 2021 की 72 तदर्थ व 22 उपनल की भर्तियां भाजपा सरकार में विस अध्यक्ष रहे प्रेमचंद अग्रवाल के कार्यकाल में हुई थीं।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि 2011 से पहले विधानसभा में जो नियुक्तियां हुई थीं, वह कर्मचारी नियमित हो चुके हैं। उनकी नियुक्ति कैसे हुई, नियमितिकरण कैसे किया गया, पदोन्नतियां कैसे हुईं, इस पर विधिक राय लेने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

विधानसभा में तत्कालीन विस अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल के कार्यकाल में वर्ष 2021 में 32 पदों पर भर्तियां निकली थीं। 20 मार्च को इनकी परीक्षा हुई थी। विस अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने बताया कि यह भर्तियां यूकेएसएसएससी में पेपर लीक की आरोपी कंपनी आरएमएस टेक्नो सॉल्यूशन ने कराई थी। इसका परिणाम अभी जारी नहीं हुआ था। बताया कि इनमें जांच समिति ने वित्तीय अनियमितता भी पकड़ी है। इसलिए यह भी रद्द कर दी गई हैं। इस मामले में बिल जमा करने के दो दिन के भीतर 59 लाख के भुगतान पर विस सचिव मुकेश सिंघल की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। वहीं उन्होंने बताया कि इस भर्ती के आवेदकों का शुल्क या तो लौटाया जाएगा, या फिर दोबारा परीक्षा होने की स्थिति में पुनः शुल्क नहीं लिया जाएगा।

विधानसभा में बैकडोर भर्तियों और पिछले साल हुई परीक्षा में आरएमएस कंपनी को भुगतान के मामले में संदेह के घेरे में आए सचिव मुकेश सिंघल को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। विस अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने बताया कि पूरे मामले में विस सचिव की भूमिका संदिग्ध है। उनकी अलग से जांच की जाएगी।

उत्तराखंड विधानसभा भर्ती में कब क्या हुआ

- जुलाई 2022- यूकेएसएसएससी की भर्तियों के पेपर लीक की घटनाओं के साथ ही सोशल मीडिया में विधानसभा भर्तियों का मुद्दा उठना शुरू हुआ।

- अगस्त 2022- सोशल मीडिया में विधानसभा में हुई भर्तियों की सूची वायरल हुई, जिस पर पूर्व विस अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल के बयान के बाद विवाद गहरा गया।

- 28 अगस्त- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा अध्यक्ष से भर्तियों की जांच का अनुरोध किया। यह भी कहा कि सरकार की जहां आवश्यकता हो, सहयोग दिया जाएगा।

- 29 अगस्त- पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल ने कहा, हां मैने अपने बेटे और बहू को नौकरी पर लगाया।

- 03 सितंबर- विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने विधानसभा में हुई भर्तियों की जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेषज्ञ जांच समिति का गठन किया। 22 सितंबर- जांच समिति की रिपोर्ट के - आधार पर विस अध्यक्ष ने 250 भर्तियां रद्द कर दी।

विधानसभा में हुई बैकडोर भर्तियों पर कड़ा फैसला लेने वाली विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण पूरी अनुशासित नजर आईं। उन्होंने कहा कि तीन सितंबर को उन्होंने युवाओं से जो कठोर निर्णय का वादा किया था, आज वह निर्णय लिया गया है। बृहस्पतिवार की देर रात जांच समिति ने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण को रिपोर्ट सौंपी। विस अध्यक्ष ने मीडिया से बातचीत में बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने रात को ही पूरी रिपोर्ट का अध्ययन किया। 204 पेज की इस रिपोर्ट में मूल कॉपी 29 पेज की है। रिपोर्ट के आधार पर वह आज सबके सामने हैं। उन्होंने कहा कि तीन सितंबर को इसी जगह बैठकर उन्होंने प्रदेश के युवाओं से वादा किया था कि वह निराश न हों। वह उनकी आशाओं, अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगी। अनियमितता को लेकर कठोर निर्णय से भी पीछे नहीं हटूंगी। शुक्रवार को उन्होंने एक साथ 250 भर्तियां रद्द करने का कठोर निर्णय ले लिया। इस निर्णय के बाद भी विस अध्यक्ष ने कहा कि भविष्य में चयन की प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शी बनाया जाएगा, ताकि जिन काबिल बेरोजगारों का हक है, उन्हें यहां रोजगार मिले।

विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण ने बताया कि चूंकि इन सभी पदों पर शासन से स्वीकृति मिलने के बाद भर्ती की गई थी। इसलिए रिपोर्ट के आधार पर उन्होंने जो फैसला लिया है, उसके तहत भर्तियां रद्द करने का प्रस्ताव शासन को भेज दिया गया है। शासन की ओर से भर्तियों को रद्द करने का आदेश जारी किया जाएगा। उधर, शासन के अधिकारियों ने देर रात तक प्रस्ताव मिलने की पुष्टि नहीं की। हालांकि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जो भी प्रस्ताव विधानसभा से आएगा, उसे माना जाएगा। सभी नियुक्तियां रद्द मान ली जाएं।

आज थम जाएगा पंचायत चुनाव का शोर, प्रत्याशी करेंगे डोर-टू-डोर प्रचार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए चल रहा चुनाव प्रचार 24 सितंबर को थम जाएगा। हालांकि, प्रत्याशी डोर-टू-डोर चुनाव प्रचार कर सकेंगे। 17 माह बाद होने जा रहे पंचायत चुनाव के लिए 26 सितंबर को मतदाता प्रत्याशियों का भाग्य मतपेटियों में बंद कर देंगे। इससे पहले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए 13 सितंबर को प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए गए। इससे प्रत्याशी पंचायत चुनाव में मतदाताओं को रिझाने के लिए प्रचार-प्रसार में जुटे हुए हैं।

लाउडस्पीकर, चुनावी सभाओं, नुक्कड़ नाटक और रोड शो आदि के जरिए उम्मीदवार अपनी ताकत और चुनाव का माहौल अपने पक्ष में करने में लगे हुए हैं। इसमें सत्ताधारी भाजपा समेत कांग्रेस और बसपा की ओर से अपने नेताओं को चुनावी मैदान झोंका हुआ है। अब शनिवार को पांच बजे के बाद चुनाव प्रचार पर ब्रेक लग जाएगा। प्रत्याशी भीड़ और लाउडस्पीकर के साथ चुनाव प्रचार नहीं कर सकेंगे लेकिन प्रत्याशी बिना शोर और लोगों की पंचायत लिए बगैर मतदाताओं के दरवाजों पर जाकर वोट की अपील कर सकते हैं।

पंचायत चुनाव के शोर से ग्रामीण परेशान हो चुके हैं। दरअसल, गांव की गलियों और मोहल्लों में बड़े-बड़े लाउडस्पीकर से चल रहे चुनाव प्रचार ग्रामीणों के कान फोड़ रहे हैं। इससे ग्रामीणों की रात की नींद और दिन का चैन खत्म हो रखा है। शनिवार को पांच बजे के बाद ग्रामीणों से चुनाव प्रचार के शोर से मुक्ति मिल जाएगी।

चुनाव प्रचार में अंतिम दिन झोंकेंगे ताकत

चुनाव के अंतिम दिन शनिवार को प्रत्याशियों की ओर से अपनी पूरी ताकत प्रचार में झोंक दी जाएगी। इसमें राजनीतिक दलों के बड़े नेता आएंगे और धुआंधार जनसभाएं होंगी। रोड-शो और अन्य चुनाव कार्यक्रम कर उम्मीदवार अपनी ताकत का एहसास कराकर मतदाताओं को अपनी तरफ मोड़ने का प्रयास करेंगे।

मौसम बना बाधा, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया लीजेंड्स के बीच होने वाला मैच रद्द

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के तहत देहरादून में खेले जाना वाला 15वां मैच आज बारिश के चलते रद्द हो गया। शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया लीजेंड्स के बीच टी-20 मुकाबला होना था, लेकिन शाम करीब साढ़े सात बजे से शुरू हुई बारिश के चलते मैच को रद्द करना पड़ा। ऐसे में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय राजीव गांधी क्रिकेट स्टेडियम में डबल धमाल होगा।

देहरादून में सीरीज के कुल छह मैच होने हैं। जिसमें से अभी तक सिर्फ एक ही मैच इंडिया और इंग्लैंड लीजेंड्स के बीच खेला गया है। चार साल बाद देहरादून में हो रहे अंतरराष्ट्रीय मैचों में बारिश खलल पैदा कर रही है। शुक्रवार को होने वाले मैच के लिए आए क्रिकेट प्रेमियों ने घंटों इंतजार किया। मैच शुरू होने का समय शाम साढ़े सात था।

इसके लिए छह बजे से ही दर्शकों ने स्टेडियम में आना शुरू कर दिया था और करीब आठ बजे तक दर्शकों ने मैच शुरू होने का इंतजार किया। लेकिन बारिश न रुकने की वजह से मैच शुरू न हो सका और क्रिकेट प्रेमियों को मायूस होकर लौटना पड़ा। उधर आयोजकों की ओर से बताया कि रद्द हुआ मैच शनिवार दोपहर 3:30 बजे से खेल जाएगा।

दैनिक न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक : मौ. सलीम सैफी

कार्यकारी सम्पादक आशीष तिवारी

दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com

RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा